अष्टम माला, खंड 39, अंक 45

मंगलवार, 3 मई, 1988
13 वैशाख 1910 (शक)

लोक सभा वाद-विवाद
का
हिन्दी संस्करण

LIBRARY
No. 59
17/11/88

दसवां सत्र

(आठवीं लोक सभा)

(खंड 39 में अंक 41 से 53 तक हैं)

लोक सभा सचिवालय
नई दिल्ली

मूल्य : चार रुपये

[अंग्रेजी संस्करण में सम्मिलित मूल अंग्रेजी कार्यवाही और हिन्दी संस्करण में सम्मिलित मूल हिन्दी कार्यवाही ही प्रामाणिक मानी जायेगी। उनका अनुवाद प्रामाणिक नहीं माना जाएगा]

विषय-सूची

अष्टम माला, खंड 39, दसवां सत्र, 1988/1909-10 (शक)

अंक 45, मंगलवार, 3 मई, 1988/13 वैशाख, 1910 (शक)

पृष्ठ संख्या

विषय

निधन संबंधी उल्लेख ... 2

(श्री के. वासुदेव पनिकर का निधन)

*किसी सदस्य के नाम पर अन्कित + चिन्ह इस बात का द्योतक है कि उस प्रश्न को सभा में उसी ने पूछा था।

लोक सभा

मंगलवार, 3 मई, 1988/ 13 वैशाख, 1910 (शक)

लोक सभा 11 बजे म. पू. पर समवेत हुई।

अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए।

[अनुवाद]

कुमारी ममता बनर्जी (जादवपुर) : महोदय, श्री के. वी. पनिकर, जिनका निधन हो गया, इस सभा के सदस्य नहीं थे परन्तु क्या आप एक नई परम्परा पर विचार करेंगे ? यदि किसी सदस्य का निधन इस नगर में होता है—चाहे वह राज्यसभा का सदस्य हो या लोक सभा का—तब सभा की कार्यवाही स्थगित की जानी चाहिए।

श्री आर. एस. स्पैरो (जालन्धर) महोदय यह सही है। अधिकतर जनता की नजरों में संसद सदस्य का दर्जा समान होता है, चाहे वह किसी भी सभा का सदस्य हो, और उनके लिए जनता की एक सी भावनाएं होती हैं। इस कारण यह एक अच्छी परम्परा होगी। कृपया आप इस पर विचार करें।

श्री चिन्तामणि जेना (बालासोर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, वह उड़ीसा से निर्वाचित हुए माननीय सदस्य थे, इससे पहले भी एक पूर्वोदाहरण है कि है कि जब श्री ललित माकन की हत्या की गई थी तब दिवंगत आत्मा के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए राज्य सभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी। (व्यवधान)

श्री पी. कुलनदईवेलू (गोबिचेट्टिपालयम) : पहले भी ऐसा हो चुका है, जब श्री मानक की गोली मारकर हत्या की गई थी···

अध्यक्ष महोदय : देखिये : मृत्यु सर्वंव दुखद होती है, चाहे वह इस सभा के सदस्य हों या दूसरी सभा के सदस्य की। वह अपने ही थे। प्रश्न केवल यही है कि क्या यह सभा इसकी अनुमति देती है और मैं आपके निर्णय के साथ हूँ।

[हिन्दी]

श्री बालकवि बैरागी (मंदसौर) : अध्यक्ष जी उनका शव अभी यहीं है। हमें शव-दर्शन करना है। इसलिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दें, तो बड़ी कृपा होगी।

[अनुवाद]

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री एच. के. एल. भगत) : महोदय, सभा की आम राय यही है। मैं पहले भी इस बारे में बात कर चुका हूँ। मैं सभा के साथ हूँ। यदि सभा के किसी सदस्य का निधन हो जाता है, तो सभा स्थगित कर दी जाती है। यही पूर्वोदाहरण रहा है। परन्तु मैं सभा की भावनाओं का आदर करूंगा।

अध्यक्ष महोदय : यह पूर्वोदाहरण का प्रश्न नहीं है। यह संसद का मामला है। यह संसद सदस्य होने का मामला है। यह एक परम्परा बन जाएगी। यह एक नया उदाहरण है। आज हम एक नई परिपाटी कायम कर रहे हैं, क्योंकि अब तक यह परम्परा रही है कि राज्य सभा अलग से ऐसा करती थी और हम भी अलग से करते थे। अब यदि सभा की यही सर्वसम्मति, है, तो मैं आपके साथ हूँ। मैं तो आपका सेवक हूँ।

श्री सी. माधव रेड्डी (आदिलाबाद) : हम आपके आदेश का पालन करेंगे।

अध्यक्ष महोदय : नहीं, यह मैं आप पर छोड़ता हूँ क्योंकि यह सर्वसम्पति का प्रश्न है। यह एक प्रकार की एकता है, जो हमारे अपने हाथ में है। आज से यह कुछ एक ऐसी बात होगी···

ऊर्जा मंत्री तथा संचार मंत्री (श्री बसंत साठे) : महोदय, मुझे आशा है कि इसमें सदन के दोनों पक्षों की सर्वसम्मति है। (व्यवधान)

श्री आर. एस. स्पेरो : यह एक बहुत ही युक्तिसंगत बात है।

अध्यक्ष महोदय : इसमें कोई समस्या नहीं है।

श्री पी. कुलनदईवेलू : जब श्री ललित माकन की गोली मारकर हत्या की गई थी, तब वह लोक सभा के सदस्य थे। परन्तु उस समय राज्य सभा की कार्यवाही भी उस दिन के लिए स्थगित कर दी गई थी।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है।

श्री एच. के. एल. भगत : यह एक नयी परम्परा है। यह बात सच है। परन्तु यदि सारी सभा यही चाहती है तो मैं इसमें बाधक नहीं बनूंगा। (व्यवधान)

11.04 म. प.

निधन सम्बन्धी उल्लेख

अध्यक्ष महोदय : इस सभा की ओर से हम अपने सम्माननीय मित्र, श्री के. वी. पनिकर के अल्प आयु में निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हैं। वह एक कार्यशील व्यक्ति थे। मैं उन्हें न केवल संसद सदस्य के रूप में जानता था बल्कि वह मेरे निजी मित्र भी थे। मेरा उनका काफी लम्बा साथ रहा और हमने इकट्ठे कार्य किया। उनकी मृत्यु से हमें गहरा दुख पहुँचा है। इसी तरह हमारे बीच से ईश्वर लोगों को छीन लेता है। वह युवावस्था में ही थे। 47 वर्ष की उम्र अधिक नहीं होगी। मेरे विचार से इस मित्र के निधन पर हम सभी को गहरा दुख पहुंचा है। परन्तु हम कुछ कर नहीं सकते। आप सभी की ओर से हम शोक सन्तप्त परिवार को संवेदना संदेश भेज देंगे।

अब दिवंगत आत्मा के सम्मान में सभा थोड़ी देर मौन खड़ी रहेगी।

(तत्पश्चात् सदस्यगण थोड़ी देर के लिए मौन खड़े रहे)

अध्यक्ष महोदय : श्री के. वी. पनिकर के सम्मान में सभा की कार्यवाही अब कल 11 बजे, म. पू. पर पुनः समवेत होने तक के लिए स्थगित की जाती है।

11.05 म. पू.

(तत्पश्चात् लोक सभा बुधवार, 4 मई, 1988/14 बैशाख, 1910 (शक) के ग्यारह बजे म. पू. के लिए स्थगित हुई।)

गुप्ता प्रिंटिंग वर्क्स, 472 एस्प्लेनेड रोड दिल्ली